

DPN 6202

Title : चचास्ये ५ CACA ME

Run. No. 6893

Cat. No.

Micro. No.

Subject चचा ५ / Carya song

Religion : Hindu / Bauddha

Language : ☒ Skt. / ☐ New. / ☐ Nep. / ☐ Skt.- New. / ☐ Maith.- New. / ☐ New.- Nep. /

Size in cms. 15 x 12

Folios 16

Lines (in a page) 9

☒ Compl. / ☐ Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : ☒ New. / ☐ Dev. / ☐ Bhuj. / ☐ Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / ☒ paper / ☐ thyasaphu /

Condition : ☒ fine / ☐ damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

P. T. O.

बाबुराजा तुलाधर
Baburajā Tuladhara

शुकी दुःख कर्मा न / caraya songs title in this code

✓ मधुमे मधु

✓ उवकु दहेन पैच शात ह्युप

✓ ओनिल ठनिल, जल

✓ चल वार्ति त्रिनि पोचन

✓ नमः हुं अकार ह्य

✓ त्रि चलं रावि शादि मधुल मारु

✓ हाडा तल त्रिचाभि रे मल्ल

26.25

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

40



जागहेनवि ॥ ॥ माध्यममूसमसहिकनकनाकि
 तपूर्वदिदहहनजंस्वद्विपं ॥ अपनरगद्रायधिउरुन
 कूनरवरहपंचवर्धुपंचजिनव्यापियान ॥ ॥ ॥
 नमपचकूदंविश्व ॥ अतिविश्वरुतविश्वरुतपच
 मूति ॥ अष्टदिपानलगतिकिनमानसाहचंनुतय
 तिमिलघनधाननूपं ॥ ॥ जातवदचमयाउपदियना
 उपदियपीजातु ध्यानं ॥ स्वसनला उपदियपचउविदिगं
 जुवनेताउपदियश्रीखंडपनरु ॥ ॥ दिनदवनप्रावि
 यनलनूधिवयाचियसफअष्टांदलचूंविश्वी ॥ ॥

अवलनाउदिचयसायकचक्रासहिकलक्षिधनिधि
 लवरदयंनि ॥ ॥ गूनचनहाप्रिवनसाहगतिपनिता
 वनासनकूसमउदकंपनिसंरुलिपूजा ॥ ॥ प्रभव
 पनितावस्थिसफपनिपूजिताएवजलनिधिसंतन
 चसंतुतं ॥ ॥ ॥ नागन्धतेनवी ॥ ॥ जवक
 दहनपंचहास्वनूप ॥ ॥ पंचासुतनसपचसालिपूजिया
 ॥ ॥ तुक्रदविवलिनायप्रितवनविना ॥ ॥ विमन
 धापंचकसमयाआनं ॥ ॥ ॥ विनंविनंस्वनस
 इजानं ॥ ॥ कंचकमलासनजुदयानं ॥ ॥ ॥

५
२०
१५
५
१०
२५
३०
३५

आगमवैद्यपूनाधवधानां रथागधर्मदिज्ञागूनुउ
पदंभ ॥ ५ ॥ पंचवृद्धसन्पकभगुन। सयात्
आगिनिमाभ्यहृत्तववन्तुहृत्तव ॥ ५ ॥ भगूनुच
नक्षत्रिलिंगतधविशातनयिवाक्वकुत्तम्भनूपि ॥
॥ ५ ॥ नागहेनवी नमः ॥ अकाननूपधनू २
स्वच्छविसत्त्वउत्ताधनू ॥ ५ ॥ तनाहैहैतनाहैहै
२ तनाहैहैहैहै ॥ ५ ॥ द्वेद्याल्लिंगधयागधनू २
वज्रघंष्टसूडाधनू ॥ ॥ धवनसू भगूनुनदंरुध २
नू २ सनदसू २ भाद्रियचन्द्रसू मायादंरुनीहा

५
२०
१५
५
१०
२५
३०
३५

ऊगू २ साहीयकनूधसत्त्वमहै ॥ ५ ॥ नागभग
नमान्नी ॥ पिचक्रविभभिजिमहलसाभस्थिति
आनन्दसूनुतिधना २ वज्रवानादिआल्लिंगधस
म्वना ॥ नानावस्मिमहोक्तला ॥ ५ ॥ तनाहैहै
तनाहैहै २ तनाहैहैहैहै ॥ ५ ॥ नीलवधुचिगुवक्त
पीसूखपिजपापमानन्दसूनुतिधना २ विश्व
वज्रअर्द्धचन्द्रकृतासूकूटधनाहाकृतनक्षसू
२ भाद्रिता ॥ ॥ वज्रघंष्टगजचर्मदमचूखत्वांग
विनमानन्दसूनुतिधना ॥ २ ॥ कनतिकपालपच

सपाक्षप्रिभुलवक्रसिर्धनावाघचर्मकम्पितं
 स्थिता ॥ दिगंविदिगंकाकासादियमगर्किनी
 दवीसद्गानन्दसूत्राधिना ॥ नमासि ॥ श्रीचक्रस
 म्बनासतगूचनक्षजावाधिता ॥ ॐ ॥
 नागजूरुडि ॥ ॥ हादातनतक्रियायिर्नसम्बल
 नाधनयिकेवाछनिर्बन्ध ॥ ॥ तुम्हावांभमं
 धियासूक्ष्मनसूक्तकेसदिगंम्बना ॥ ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

भाचूभला ॥ ॥ भालिहायनेवलंसहमयनेकम्पि
 नतवयितंवीला ॥ ॥ गगननिलवदुर्विन्धनं
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

पिहकविप

पिहक

पिहक

कयवावति

नागलृगमचमावश्री ॥ ॥ पिचक्रवविभभिसंष्टल
 माभिस्यिनि ज्ञानं न्य सूत्राणि धना ॥ ॥ नाग-ध्याते
 नवि ॥ ॥ पिहवनकलितसूत्राणि अन्ननायनविनय
 वर्गि ॥ ५॥ ॥ नाचैववदुसत्त्वपचभं भवोदवति ॥
 ॥ नन्मीसहसुर्किहदभसूर्यसहसुवर्गि ॥ ५॥
 वहविहचूपनविभभिस अन्ननायनसत्त्ववर्गि ॥ ५॥
 नागसोधि ॥ ॥ पिहंष्टाचापयिथाजिनिदविहकवानि
 ॥ कमलकूलिभद्यंष्ट कचहंविशान ॥ ५॥ ॥
 थाजिनिगुक्तविनूयनहंनजिवाये ॥ २॥ ॥ नाचामूह

चूंविशानकमलसपिवयि ॥ ॥ ॥ पिहंष्टाजिनिरूप
 नजायि ॥ २॥ ॥ सानिकूलवादिशानादिनसमान ॥
 ॥ भवधनधानचूंविशान ॥ २॥ ॥ चंडसूर्यदूयिपकु
 नराचंठा ॥ ॥ ॥ एनयिगमठालिहमकू नूवविना
 ॥ २॥ ॥ ननयष्टानिसाभ्यउरायनउविना ॥ ॥
 नागपंचम ॥ ॥ ॥ कयंवावलिहनूवधनयि २ सय
 नसनासनजगतउधानी ॥ ५॥ ॥ ॥ ॥ एगवति
 पादूकमनसहिंसंष्टलनोपूननूहंमूनकावा ॥
 हादरामनआएनहाविहपिताभवनद्यंष्टउशाना

गङ्गाकिन

॥ २ ॥ प्रिनिप्रिनिप्रिनयंतिप्रिनिनयना ॥ ॥
 कचगिरवत्पनपीवेनूदननसिचमाला ॥ २ ॥ कुं
 क्षित्वांगवनसूकूटकम् ॥ ५ ॥ भिनसिसि
 न्धूननाकडिलस्तुलाकस्तुनिकर्षूनाम्बून
 मयसाचा ॥ ५ ॥ एनयिसूनतवडवाथलि
 दाभा ॥ २ ॥ श्रीवडवविप्रसादं श्रीहृन्वपाया
 ॥ ५ ॥ ॥ नागहेनवीजनचक्र ॥ ॥ गङ्गाकिन
 उर्ध्वनशब्धधनीयाकमलकूलिभ्रमूदयवा
 नि ॥ २ ॥ दमनूकर्तिकुंभवापिभुलावामखद्वा

गकपालजूधना ॥ ५ ॥ श्रीसम्बननायावाथ
 पुक्तडांगुलिना ॥ २ ॥ मानयिचंवापयियातंसा
 यासासुहृत्तवगुमूडासिद्धिम् ॥ पाभवक्रमूद
 वामहात्थधनियाउननभिनमाला ॥ २ ॥ नीलह
 वितनादिनकनकाएवचउसूखजुगिबीकना
 नजूर्धना ॥ अलिठप्रणाहेनववापयियाचंकावि
 नपिबीसूभूडा ॥ २ ॥ विश्वकूलिसजूर्ध्वचन्द्रका
 मूकवाध्वर्धमपदमूडा ॥ ॥ एप्रिसंविनंविनंभ
 वनायकप्रिनिचक्रमहावीनवीना ॥ २ ॥ कनूतं

गानविनविनं नवनहं जयिसयानसंसाधना ॥
 वागललि ॥ विषयशविनूपवनसंथागदलियिचंदा
 विनारिकमल ॥ २ ॥ दस्येजिनवीसू भलिजलयिस
 नावकृतिनी आतासमय भामसयन ॥ ५ ॥
 नभमंरुधोपकालचक्रहंवक संवनविस्वतुप ॥ २ ॥
 पयिपदूमसंथागसस्तावनी भामासहज आनं
 न्दसयहानवृप ॥ ॥ वक्रचर्यिक भाकं कूमवृत्त
 तनूनाससंगतिजूका एधमनं ॥ २ ॥ ऊगातदूष
 नासहं वीधिदूनदायकं थागधर्मभाचूताव

ऊदय ॥ ॥ गूनुवाक्यदृष्टधनीयाजूदपवनकू
 चियमक्षिसूकूटचंनुउगादिधनिया ॥ २ ॥ चउ
 चक्रपापभविनपनमं भविसूर्यरिमां भांनुवा
 नहिरावनं ॥ ॥ स्वप्रसायाभदसतावपनिताव
 जावृद्धधर्मसनक्षगतिथं ॥ २ ॥ गूनुचनक्षमि
 प्रगतधनिया ॥ २ ॥ गावंति सूनतवक्रः जन्मऊ
 भाचूवृद्धभनहं ॥

सायोज्ञा

नागदेभाच ॥ सायोज्ञा लविनू लद ॥ सायोज्ञा
 २ सायोज्ञा नदप्य ददिल सायोज्ञा ॥ ५ ॥
 जसंसाच जूसाच ॥ नागदेभाच सायोज्ञा लविनू
 सा ॥ ॥ अजमिषन यन दृष्ट कू नूया ॥ २ ॥ अजमिषके
 कदूष्टपूजेदू ॥ सहज संताज यउद नागत धवि
 या ॥ २ ॥ वल्वने पम सवा प्रन नू नप ॥ अत्र धूच उय
 चं चुपाय पसा ॥ २ ॥ जात्र गि नि नू दू ॥ खपा पण यचक
 ताचिके विन ॥ ५ ॥ नाग के न उ ॥ श्रीमंज्ञा नाथ व
 न महाचि न विजया ॥ २ ॥ च नू सा सष ऊध ना नागवा

श्रीमंज्ञा नाथ

सदह स्वनू ॥ ५ ॥ नसा मि ॥ श्रीमंज्ञा कू सा ना ॥ २ ॥ उग
 दि ल्वन उगत गू नू एव न व्यापिता ॥ पूष्ट कध न लुग
 पन म गू नू नाया ॥ २ ॥ श्री धर्म धा गू स्था भिपाल मं दला
 नं रुता ॥ ५ ॥ उगत नाथ उगत ऊन जी नं ऊन ना ॥ २ ॥
 सर्व ल्हा सुवि सा न दप न्द्रि त जिनं ऊन ॥ ५ ॥
 नाग नम कनी ॥ ५ ॥ हं हं दे दध नू संसा ना नू ॥ २ ॥ दं द आ
 लिग नया यध नू ॥ ५ ॥ हं व ऊतु कत ना हं हं ना हं
 हं र ता ना ता हं हं ॥ सून न न वं दित च न धध नू ॥ २ ॥
 कू स म वि ले पन दं ह ध नू ॥ एव वि नू कू वि वे ख गू ह

कृतायि २ नमः ४ है नमः ४ है श्री हवजगु कगूनप
षायि ॥ ॐ ॥ नागजात ॥ सकवजगगूनसुसुवचवी
ना २ ॥ जूनूपमक नृक्षकनितसखचिन्ता ॥ ५ ॥
सम्बन २ कूनूपमयितावे २ विवीथिकल्पेविनामननुधं
दविवानादि गृह्य संष्टिउत देहा २ ॥ एव एयहनजविन्ता
नविन्ता ॥ ॥ सकलविद्यनहंजीमतिप्रतिनूरुग २ ॥ न
गिपतिस्वर्गनिवासनचूटा ॥ ॥ तावातावकृताहतिम
गिचिन्ता २ ॥ जूनूपमसखचसमगुसखचिन्ता ॥ ॥

श्रीहृन्वक्त्रं भगवत्पदं विप्रिहृत्तं च जनाय ॥ २ ॥ पंचजिहवा
पितापं च वदति ॥ ५ ॥ जन्मसि ॥ २ ॥ श्रीरामपूज्या
यथेता ॥ २ ॥ श्रीहृन्वक्त्रं श्रीगुरुस्वामीवक्त्रं जिनिमुन्या
॥ पूर्वदिगं स्थितं नवद्विजवर्ध ॥ २ ॥ दहिनाग्रधनिवास
विन्दुधना ॥ ॥ घस्मन्नीधेनीयाजिनिद्वि ॥ २ ॥ गावन्निनि
नावकृद्दं कानसवजा ॥ ॥ द्विविक्त्रं सत्तवरससद
ज्ञानवनसद्वाग्निभक्तलक्षधना ॥ २ ॥ द्वादसत्तका
वदवदजा द्वादभवार्त्तनक्रनेत्रं ॥ ५ ॥ जन्मसि
श्रीहृन्वक्त्रं स्वर्णसालग्रयणवत्तयद्वनधं ॥

चतुर्विंशतिपिबन्धनं च प्रसंविनविधम्
 च २ चउ चकुषदकिपनिनिवृतादवीसंपूत
 प्रकलितस्थिता ॥ प्रह्लासंपूत जालिकालि
 पदाक्रान्ता जूतिसंदरा ॥ द्वादसद्वीउ क
 रावनाजनामिश्री चकुसम्बना ॥ मागू
 नूचनक्षमिलैभ्यर्पतनयिगित श्रीवक्र क
 लिभा ॥ दानपतिभमनाद्वयसदमलज्ज
 नाधिता ॥ नागकाभाद ॥ प्रकलितद्वैका

॥ प्रकलितगर्भकाय ॥

चतुर्विंशतिपिबन्धनं च प्रसंविनविधम्
 कस्थितलुकेकनक्षं चतुर्भूटकाधधियं ॥ ५ ॥
 नमामिश्रीपचष्टुविनंतवसिन्धूनसिंधूनकनक्षं २
 विल्वनाथप्रिगुवक्षयापितं वक्षानिधं सनकनक्षं ॥
 ॥ अंगजानूस्थितप्रिगुवक्षविनं सर्वगृहभस्व अक्ष
 दधानं ॥ वामगर्जनीदुदिपालधनं वानिशासन
 वन्धनवनक्षं ॥ जानानत्तादान नोपूनाकलिभ
 खलातुषितदं ॥ दद्या कनरिषमवदनं प्रित
 वनलायाप्रचष्टुवेनं ॥ विनाधिपति सर्वरायद्व

तथैतपि भास्वादि भां नानमनसा ॥ २ ॥ सननयका
 दिवंदितापादं सर्वसिद्धिभां कूलदं ॥ ॥ ॥
 नागवसंत ॥ ॥ अगसिकसुमदूतिदं हाप्रासना ॥
 विविनलसक्षिभूकृताविण्या ॥ ॥ ॥ नाधेन
 श्रीजूलविना ॥ ॥ नाजाचउ जूनं न्यविनासयि
 जूलला ॥ ॥ भासउद्वविचूसूडादर्नजा ॥ ॥ ॥
 पत्ताजालिगक्ष जूदयमहासूदं ॥ ॥ विनागचंउ
 घातिरवत्यंकना ॥ ॥ तस्यनिहंताख उगर्जनिपा
 ला ॥ ॥ साचनचतूदर्यनिधिलविष्टुहंजा ॥ ॥ नविन

निरुगक्षविनासयि जूलला ॥ ॥ ॥ नागांदि
 वा नाहिवास्थितापिदलसर्वाडा दिनकनमंष्टुल
 मध्यस्थिता ॥ ॥ नक्षत्रभादया चापयियागां दिविमू
 कृठकेसदिगंवा ॥ ॥ ॥ पनमामिवाछलि श्री
 बरुथांगिनी जूनगनवाधिपदाचनी ॥ ॥ दिरुऊज
 कसूरवपिलाचनालाहीगवर्धपुल्लिता ॥ ॥ गिरुवहा
 व्यापिनीदहिनकचति धनिमर्जपूनिगकपालधनि
 ॥ ॥ चकीकूलकंष्टिधनिश (थलाचक विरुषि
 जी ॥ ॥ चन (हाजी पूचदहिनकचति यमं घलानन

॥ सर्वोक्तानां ॥

॥ उदितानां ॥

सिनवीरुविता ॥ विव्वरुननीपनमगूह ॥
 नएवयहनक्षिविचरवि ॥ सहजा नन्दन
 पिनिद्वीचिदिसिद्धिचनक्षपसादने ॥ ७७ ॥

नागधनाभी ॥ सर्वाक्रानामाहासखरुनिया च
 उज्ज्वलनन्ददिदं ॥ २ ॥ पितृवधदूतयिमहासख
 नाया चन्द्रसूर्यदूयिमनिया ॥ ५२ ॥ नपापानि
 धनपूजननिधायित्वचउकस्वचूषि ॥ सर्ववीक
 ल्यविध्वंसनिद्वीजूनूतनहानवनदायीनी ॥
 अमिताएवमंक्षुलउदियायंथीति कल्याणलमि

वचूपधनि ॥ कनतिकपालाखद्वोगधनी ॥ प्रज्ञा
 ज्ञानवचदायनि ॥ दिगंवनमकूटकंसी चक्रिकू
 हलकंक्षिधनि ॥ नूचकभरवनापायनधनिजि
 वनूदनलसिलमाला ॥ सर्वतथागतजननिद्वि
 विचदितरावज्जुतावा ॥ २ ॥ जीवद्वयाजीनीचनक्ष
 सिलपंगधनियानावंगिसमनसंवद्रा ॥ ७८ ॥
 नावितास ॥ उदितानाचयियापवनधूता वनसूतादा
 नककाभलङ्गा ॥ ५२ ॥ धानदूयानएवजिसंगलि
 ता ॥ अखयनिचंजनभीङ्गकृता ॥ दिनकचमेष्ट

॥ दिग्विजय मंत्र ॥

या ॥ २ ॥ पंचभिनसविजवा नूति ॥ ॥ सगगूचन
 क्षप्रसादं चतुर्थं तिथिं क २ ॥ पारतन्त्र्यनि संसा नस
 मूडा ॥ ॥ ॥ नागविलास ॥ दिगुज्जक मूरवन
 कवर्ध २ नयमूकटकं नपिनि जाला वना ॥ ॥
 नभाद्वी वृद्धदा की निवी वृज नजी ॥ २ ॥ प्रियव
 यापिगजिन हानदायनी ॥ ॥ ददि नं क न व ऊ वि
 नसिगदग्धाति ॥ २ ॥ वामक नाग क चतु नम वि सं पि
 वयि ॥ ॥ ॥ नूति मष्टुल सा भ अदी या न ग म न ॥ २
 नत्तो नो पून वल भाग पर्व नीता ॥ ॥ श्री विद्याध

चिद्वी सूनजन स्वर्णिता ॥ २ ॥ सकल अद्वि सिद्धि द
 दि सं सागा ॥ ॥ ॥ नागपंचम ॥ जूय ना वि जू
 य प्रक्षकाज ॥ २ ॥ जूय या गि नि व च न ॥ ॥ ॥ सि न सि
 सि न्धू न कं ऊ ल दू ला ॥ २ ॥ दवी प भ दं न भो कू सार्ग
 ॥ न व स त्व जू थी न पान का नं ॥ २ ॥ गू नू वा क न जा यी
 रं ॥ ॥ कूल वं स मा गु त त्व दू ल दं २ कू वृद्धि कू चि कू
 ना भ दू ल दं ॥ ॥ तत्त्व सि न सि सिद्धि कूल प भ दं ॥ २
 ऊ न ऊ न व ऊ वि ना सि नि न व द ॥ ॥ ॥

॥ नमामि श्रीरामाय ॥

नागहेनवि ॥ नमामि २ श्री हानाते मदाय कुक्षीद
वि २ पंचपूषपविवाचीनी देवी ॥ ५ ॥ नमामि २ पद्म
क्षिमासकि देवी जगसंसा नप्रणिपाविगा ॥ २ ॥ ज
मज्जम अदिसिद्धि माकु मूक्ति प्रसादा ॥ नमो हूँ
नमो हूँ ॥ नमामि २ श्री सूर्य धन देव विजय
रामाविगा २ द्वादसवर्ष पूष पोषी विवाविगा ॥
नमामि २ श्री चूडानामा रि कुक्षी देवी २ धर्मधा
पुपविवाविगानिपुयं नी ॥ नमामि २ श्री मंजुव

ऊर्ध्वगितवनीगा २ नमामि श्री यदुमनि देवि
अदिसिद्धि देहि म ॥ ५ ॥

26 25

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

35

